World Environment Day

5th June, 2024

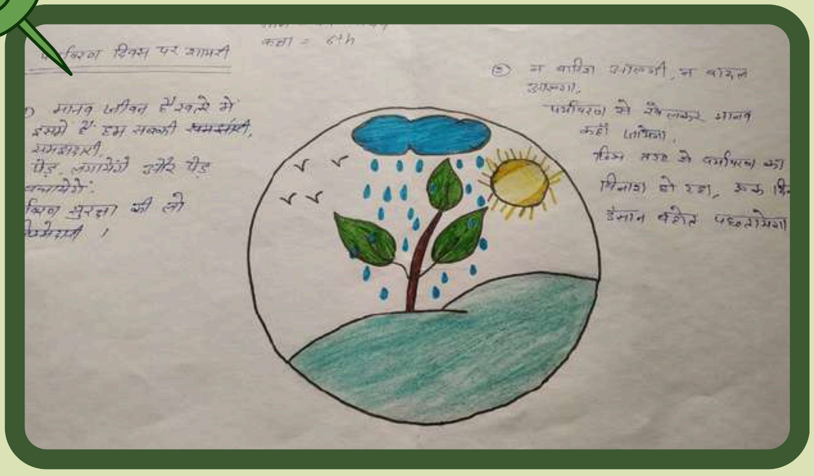

लोक विकास संस्थान- सरवाड़.
केकड़ी
जल ही
जीवन है।
5 जून 2024
विश्व पर्यावरण
दिवस
हमारी भूमी
हमारा भविष्य
नाम- रामप्रसाद गुर्जर
कक्षा- 9

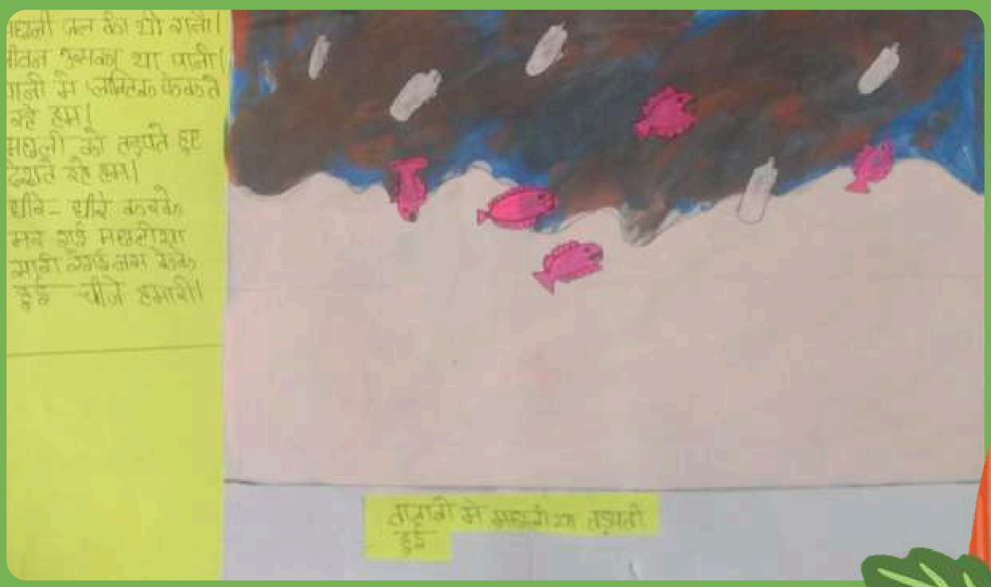

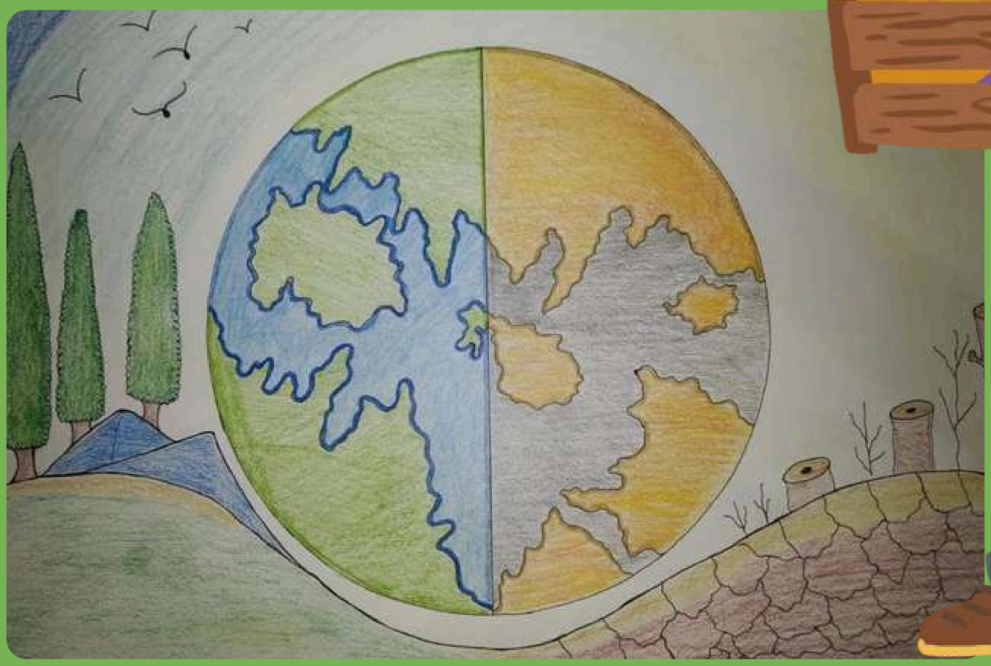

SAVE
TREE
नंगी धरती करे पुकार,
वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार ॥
नाम - बालू राम धाकड़.

विश्व पर्यावरण दिवस

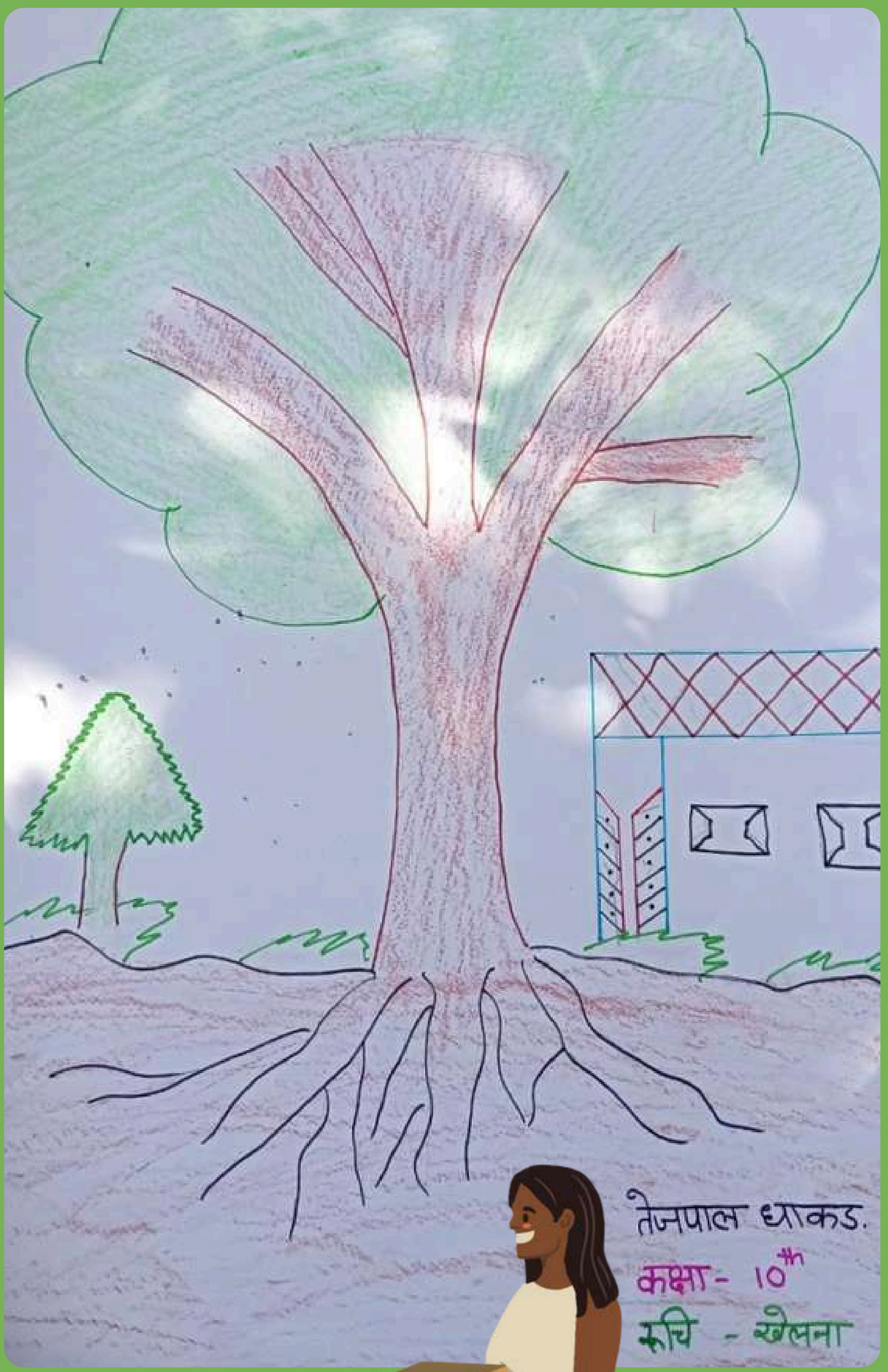
तेजपाल धाकड़.
कक्षा- 10th
रुचि - खेलना

CHANCHAL
CARE
SURAT

TREES
PLANT
TREES
WORLD ENVIRONMENT DAY
STOP
POLLUTTON
SAVE
WATER

SAVE WATER
SAVE LIFE
STOP POLLUTION
DON'T CUT TREES
SAVE THE EARTH
GROW PLANTS
SAVE ANIMALS

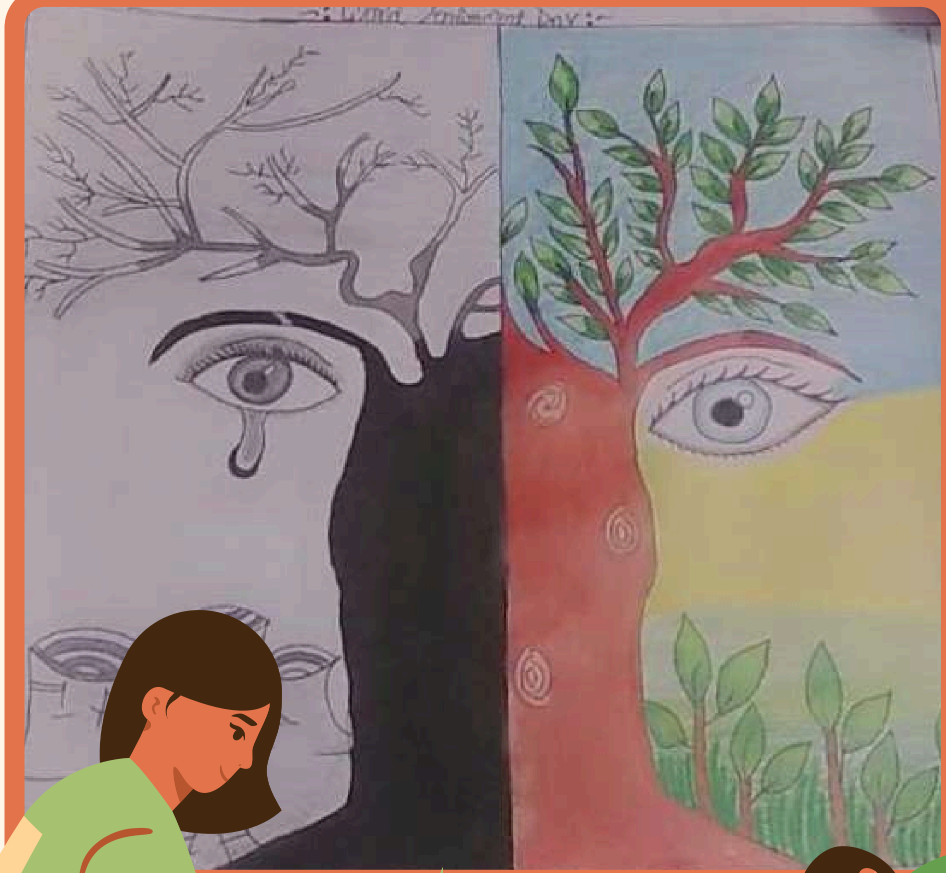

SAVE
TREE

BEFORE
BEFORE
Save TREE
STOP
Pollution..
CLEAN
GREEN
Save Me...!

SAVE
TREE

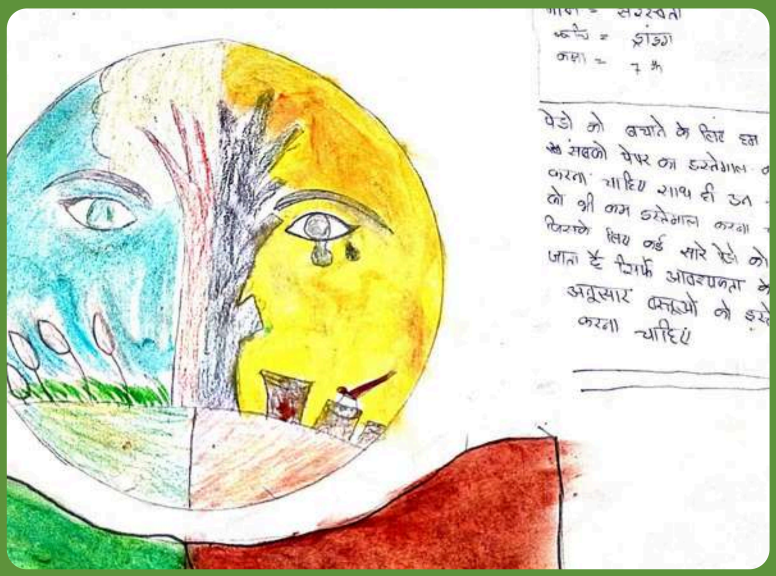

World Environment Day

MOTHER EARTH

Mother Earth says 'love nature
respect it,
And in return, it will give
She tells us to grow trees
and plants,
But we don't even care what
she wants.
Her message for us is to protect
the environment and save me,
To make the world eco-friendly
She dreams that the world
will be pollution free,
She asks, 'Friend of nature', can
you see?
She expects to learn to love nature
from you.

Can't we make her dreams
come true?
If you'll avoid her note
again and again
After some years nothing will
remain.
See the beauty of nature; we should
save it
This is our task, and we will
nail it.

Mother Earth says 'love nature,
respect it'

And in return, it will give.

Maheshwari
Class 7
Age 11 years
Churu, rajasthan

DATE: / /
PAGE NO.:

हमारी भुमि / हमारा भविष्य

मैं इस चित्र के द्वारा यह दर्शाना चाहती हुँ लोग ज्यादा - ज्यादा पेड़ - पौधों को नष्ट कर रहे है इसके साथ ही फैक्टरियों से निकलने विशले पदार्थ जो कि हमारी भुमि को बनजर बाना रही है इसके साथ ही साथ पर्यावरण में दुषित हो रहा है हमारे चारों तरफ कितनी बिमारियाँ है आने वाले समय नाही पेड़ - पौधों शुद्ध हवा, नाही खाना खाने के लिए होगा और हम लोग बुंद - बुंद के लिए तरस जायेगे हमे ज्यादा से बुंद - बुंद बचाना चाहिए हमे पेड़ पौधे लगाने चाहिए हमे ज्यादा से ज्यादा पर्यावरण स्वच्छ रखना हमें हर काम में कम से कम पानी का उपयोग करना चाहिए इसके कारण हमारा आने वाला समय अच्छा हो जाएगा अगर हम सही ढंग से पानी उपयोग में लेगे तो आने वाले समय में पानी की कमी नही होगी सरकार उन्ही फैक्टरियों को अनुमती दे जो विशले पदार्थ न छोडे। किसान ज्यादा लाभ के कारण भुमि में ज्यादा मात्रा उर्वरक और रासायनिक पदार्थों को उपयोग मे लेते है इसके कारण हम लोगों की तबियत खराब हो जाती है हमे बरसात के पानी को बचाना चाहिए हमे जानवरो व पक्षीयों के लिए पानी की व्यवस्था करनी चाहिए हमे हमारे आस - पास भी पेड़ पौधे लगाने

* विश्व पर्यावरण दिवस *

* प्रस्तावना
* विश्व पर्यावरण दिवस का महत्व
* पर्यावरण जागरूकता को बढावा देना
* संरक्षण
* निष्कर्ष

1 **प्रस्तावना =>** विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून मनाया जाता है। यह एक महत्वपुर्ण वैश्विक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य हमारे पर्यावरण की रक्षा के लिए लोगो में जागरूकता पैदा करता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा 1972 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा गया था।

विश्व पर्यावरण दिवस का महत्व => विश्व पर्यावरण दिवस अत्याधिक महत्व रखता है क्योंकि यह महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुददो को संबोधित करता है। यह दिवस हमारे ग्रह के सामने आने वाले खतरो के बारे में लोगो को शिक्षित करता है। यह दिवस लोगो को अपने दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है।

पर्यावरण जागरूकता को बढावा देना => विश्व पर्यावरण दि[...] के प्राथमिक उद्देश्यों में से एक पर्यावरण के मुद्दों के बा[...] मे जागरूकता बढाना है।

सरकारो विभिन्न कार्यक्रमो और अभियानो का आयोजन करते है। ताकि लोगो को वनो की कटाई, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियो के बारे मे शिक्षित किया जा सके। यह जागरूकता ज्ञान प्रदान करने और पर्यावरण प्रबंधन की भावना को बढावा देने का प्रयास करता है।

4. **संरक्षण =>** विश्व पर्यावरण दिवस जैव विविधता संरक्षण के महत्व और लुप्तप्राय प्रजातियो और उनके आवासो की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देता है। यह पारिस्थितिक तंत्र को बहाल करने और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा की सुरक्षा के प्रयासो को प्रोत्साहित करता है।

5 **निष्कर्ष =>** विश्व पर्यावरण दिवस एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप मे कार्य करता है। हमारे पृथ्वी ग्रह मे जीवन हमारे सामुहिक कार्यो पर निर्भर करता है। यह दिवस लोगो मे जागरूकता बढाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस दिन एक साथ आने से हम हरित हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में एक वैश्विक आंदोलन का निर्माण कर सकते है।

"धरती को स्वर्ग बनाना है
विश्व पर्यावरण दिवस मनाना है"

प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने पर केंद्रित है। जिसका नारा “हमारी भूमि, हमारा भविष्य“ है।

राजस्थान बाल अधिकार संरक्षण साझा अभियान की पहल पर सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढाने के लिए चित्र बनाने एवं लेखन कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर 10 जिलों से 54 बच्चों ने अपनी सृजनषीलता दर्षाते हुए पर्यावरण के प्रति चिंता और इसे बचाने हेतु अपने संकल्प को प्रदर्षित किया।

सभी बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं!!!!

अभियान इस संकलन को आप सबके साथ साझा करने में प्रसन्नता महसूस करता है।

Name	Age	District	Name	Age	District
Suraj	11	Ajmer	Anas Ansari	13	Jodhpur
Dileep	18	Balotra	Busra	17	Jodhpur
Tejpal Dhakar	14	Kekdi	Nahin Khan	14	Jodhpur
Baluram Dhakar	16	Kekdi	Bhagwati	14	Jodhpur
Ramprasad Gujar	17	Kekdi	Chhaya Joshi	15	Nagour
Monika Gurjar	15	Kekdi	Kirti Joshi	14	Nagour
Mohit Kumar	16	Kekdi	Akshara Sharma	16	Phalodi
Rajaam	14	Kekdi	Komal Sharma	15	Phalodi
Manoj Dhakar	16	Kekdi	Saraswati	14	Phalodi
Vanadana Kumari	15	Jaipur	Rupa Kumavat	18	Phalodi
Diksha Kumari	14	Jaipur	Manisha Soni	16	Phalodi
Riya Mahawar	14	Jaipur	Aruna Charan	13	Phalodi
Jasu Joshi	15	Jaipur	Kuldeep Suthar	13	Phalodi
Kumkum	15	Jaipur	Manisha Charan	11	Phalodi
Isha	14	Jaipur	Aaipal Singh Bhati	15	Phalodi
Rahul Rana	17	Jaipur	Manisha Shravanram	17	Phalodi
Anjali Sharma	16	Jaipur	Kamla	18	Phalodi
Sejal Sharma	15	Jaipur	Mamta Devi Singh	18	Phalodi
Dev Yadav	7	Jaipur	Kavita Ganpat Singh	15	Phalodi
Gauri Soni	16	Jaipur	Puja Shravan Singh	7	Phalodi
Aahil Ansari	8	Jaisalmer	Mohini Prayag Singh	15	Phalodi
Maheshwari	11	Jhunjhunu	Achi Khivasingh	19	Phalodi
Ifra	13	Jodhpur	Babita	17	Phalodi
Halima Modi	17	Jodhpur	Ajay Pal Singh	16	Phalodi
Sehan Khan	15	Jodhpur	Chanda Kumari	12	Pratapgarh
Asma	16	Jodhpur	Ranu Kumari	11	Pratapgarh
Mahander Meghwal	11	Pratapgarh	Ekta Meghwal	9	Pratapgarh

प्रकृति की गुहार

मां विलाप से अधीर, हृदय में है बड़ी ही पीर,
डरी सहमी सी सोच रही, क्या सजा दूं मेरी ही संतान को?
क्या पता कल का भूला घर लौट आए!
शायद मेरी पीड़ा भी समझ जाए...
कुछ तो सोच!

वृक्ष भी खड़ा सोच रहा, खुद से खुद ही पूछ रहा,
कितना बदल गया इंसान?
कर दिया मेरे घरों को वीरान, जिसने दी श्वास,
आज वही श्वास की भटकन में, हो रहा हूं जर्जर स्वार्थ के इस उपवन में।
कुछ तो सोच!

शांत नदी में हुई हलचल, कल-कल करती सोच रही क्या मेरा भी अस्तित्व रहेगा कल?
किससे करूं गुहार?
इतना भी ना कर मुझे मैला, कभी बुझाया करती थी मैं जन-जन की प्यास,
वहीं आज लुप्त हो रही है मेरी ही श्वास।
कुछ तो सोच!

चलती-चलती पवन भी कुछ कहना चाहती है, अशुद्धियों से मुक्त रहना चाहती है,
स्वच्छ गगन में उन्मुक्त हो, विचरण करने को हूं आतुर,
मेरी परिशुद्ध बयार ही तुम्हारा जीवन, घुटन भरा है मेरा भी मन।
कुछ तो सोच!

जी हां मैं आकाश, सौंदर्य का अनुपम आभास,
बादल मुझ में मंडरायें, तो तारे भी मुझ में ही टिमटिमायें,
एक समय था जब असंख्य पक्षी मेरे साथी थे, आजकल दूर-दूर तक कहीं नजर नहीं आते।
कुछ तो सोच!

जी हां ये हम हैं, धरा, वृक्ष, नदी ,आकाश और पवन हैं,
प्रकृति की संतान हैं, हममें भी तो प्राण हैं,
बचा लो हमें बचा लो, हर दिन पर्यावरण दिवस मना लो
कुछ तो सोच!

एक कदम प्रकृति की ओर.....
गौरी सोनी

राजस्थान बाल अधिकार संरक्षण साझा अभियान

सम्पर्क: 0141-3532799, 9460387130, 7878055137
ई-मेल: rihrrajasthan@gmail.com **वेबसाइट:** www.rihrraj.org